बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-490
28/12/2019

जल–जीवन–हरियाली अभियान के अंतर्गत शेखपुरा जिले में मुख्यमंत्री का जागरुकता सम्मेलन, 135 विकासात्मक योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

पटना, 28 दिसम्बर 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज शेखपुरा जिले के शेखपुरा प्रखंड के मटोखर दह ग्राम में जीवन–जीवन–हरियाली यात्रा अंतर्गत जागरूकता सम्मेलन/आमसभा में 135 विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट का अनावरण कर किया। शेखपुरा जिलाधिकारी मोहतरमा इनायत खान ने पौधा भेंट कर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। स्थानीय नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को गुलदस्ता, अंगवस्त्र एवं पुष्पहार भेंटकर उनका भव्य स्वागत किया। जल–जीवन–हरियाली अभियान अंतर्गत शेखपुरा जिले से जुड़ी विकासात्मक योजनाओं से संबंधित पुस्तक का भी मुख्यमंत्री ने विमोचन किया। जल–जीवन–हरियाली–अभियान के प्रति व्यापक रूप से जागरूकता लाने के लिए शेखपुरा जिले की विशेष पहल पर फेसबुक पेज/एकाउंट का मुख्यमंत्री ने शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन से पूर्व जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत मटोखर दह तालाब का निरीक्षण कर हरियाली द्वीप पर वृक्षारोपण किया। मटोखर दह मत्स्य बीज प्रक्षेत्र सह मत्स्य हैचरी (शेखपुरा) का मुआयना करने के क्रम में मुख्यमंत्री ने मटोखर दह तालाब में मछली छोड़ा। हैचरी से जुड़े लोगों ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ एवं माला पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने हजरत ख्वाजा इसहाक मगरबी रहमतुल्लाह अलैह मटोखर शरीफ, शेखपुरा के मजार पर चादरपोशी कर प्रदेश और समाज मे अमन–चैन कायम रहने की दुआ की। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने जल–जीवन–हरियाली अभियान अंतर्गत जीर्णोद्धार किये गए उरदा सामुदायिक तालाब, उरदा आहर, ड्रिप इरिगेशन से खेती एवं सघन वृक्षारोपण के तहत पहाड़ पर विकसित हरियाली उद्यान का जायजा लिया। जनसभा स्थल के निकट विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी अवलोकन के क्रम में मुख्यमंत्री ने जैविक तरीके से सब्जी उत्पादित करने वाले आत्मा समूह को 10 हजार रुपये का चेक एवं सतत जीविकोपार्जन योजना अंतर्गत वैकल्पिक रोजगार हेतु 351 महिलाओं को 1 करोड़ 17 लाख 33 हजार का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के लाभुकों को चाबी जबकि विद्यार्थियों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड एवं कुशल युवा कार्यक्रम का प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सबसे पहले कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का हृदय से अभिनंदन करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। आपने जब से हमे काम करने का मौका दिया तब ही से हम न्याय के साथ विकास का काम कर रहे हैं। हाशिये पर खड़े सर्व समुदाय के लोगों के उत्थान हेतु विशेष रूप से काम किया जा रहा है। आज से दो साल पहले 24 दिसंबर 2017 को शेखपुरा जिले के अरियरी पंचायत के डीहा में विकास कार्यों की समीक्षा यात्रा के क्रम में हम पहुंचे थे। हमने वहां घूमने के क्रम में कहा था कि यह आर्कियोलॉजिकल साइट है। जब लखीसराय में लाल पहाड़ी की खुदाई में लगी टीम ने आकर वहां मुआयना किया तो कहा कि डीहा ऐतिहासिक के साथ–साथ पुरातात्विक स्थल भी है। आज मटोखर

दह तालाब के आस–पास का दृश्य देखकर हमें ऐसा प्रतीत होता है कि यह भी ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थल है। 650 साल पहले यहां आकर महान सूफी संत हजरत ख्वाजा इसहाक मगरबी रहमतुल्लाह अलैह ने भाईचारा का संदेश दिया था। इस धरती को मैं नमन करता हूँ। 1909 के मुंगेर गजेटियर में चर्चा है कि यहां भगवान बुद्ध आये थे और यहां बौद्ध मठ भी था। मुष्टिक नाम के मल्ल युद्ध विशेषज्ञ भी यहीं रहते थे। द्वापर काल, भगवान बुद्ध और महान सूफी संत की भी यह भूमि है इसलिए यहां के लोगों को इस विशिष्ट स्थल के विषय मे पूरी जानकारी होनी चाहिए। इसके लिए दो–तीन दिनों के अंदर बिहार विरासत विकास समिति की टीम आकर इस स्थल का आकलन करेगी। यह अद्‌भुत जगह है। लखीसराय लाल पहाड़ी की खुदाई कराई गई, वहां से लेकर यहां का पूरा इलाका विकसित करेंगे। यह खास स्थल एक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होगा। इसके लिए हमलोग प्रयास करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2018 में बिहार के 534 प्रखंडों में से 280 ब्लॉक को सूखाग्रस्त घोषित करना पड़ा। जलवायु परिवर्तन के कारण पर्यावरण में आए बदलाव को देखते हुए हमने इस वर्ष 13 जुलाई को विधानमंडल सदस्यों की एक संयुक्त बैठक बुलाकर गहन विमर्श के बाद पूरे बिहार में जल–जीवन–हरियाली–अभियान को मिशन मोड में चलाने का निर्णय लिया। इस अभियान में जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम को भी जोड़ा गया है। जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत अगले 3 वर्षों में 24 हजार 524 करोड़ रूपये की राशि खर्च कर 11 सूत्री कार्यक्रम को मिशन मोड में पूरा करना है ताकि जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न संकट से लोगों को निजात दिलायी जा सके। इसके लिए सोखता निर्माण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वृहत पैमाने पर वृक्षारोपण, अहर–पईन, तालाब, सार्वजनिक कुंओं, नलकूप का जीर्णोद्धार कराने के साथ ही उसे अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा। इस अभियान का मकसद जल को संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बिहार में 15 जून से ही मानसून की शुरुआत हो जाती थी और औसतन 1200 से 1500 मिलीमीटर वर्षापात हुआ करता था लेकिन पिछले तीस साल के वर्षापात का अगर रिकॉर्ड देखे तो औसतन 1500 मिलीमीटर से घटकर वर्षापात 1027 पर पहुँच गया है। वहीं विगत 13 वर्षों के वर्षापात के आंकड़ों को देखते हैं तो बिहार में औसतन वर्षापात घटकर 901 मिलीमीटर पर पहुँच गया है। हमने देखा कि इस वर्ष भू–जल स्तर दक्षिण बिहार के साथ–साथ उत्तर बिहार के दरभंगा में भी काफी नीचे चला गया था। इसका मतलब यह है कि कुदरत हम सबको सचेत होने का संकेत दे रहा है। दुनिया के कई देशों में भूजल स्तर समाप्त हो गया है। जल–जीवन–हरियाली अभियान से बिहार अपने पुराने भू–जल स्तर को कायम करेगा और पर्यावरण अनुकूल रहेगा। महात्मा गांधी कहा करते थे कि पृथ्वी हर जरूरत को पूरा करने में सक्षम है, लेकिन किसी के लालच को नही, इसलिए हर आदमी सही दिशा में चले इसके लिए हमलोग काम करते हैं। आजकल जो माहौल चल रहा है वह ठीक नही है। समाज के किसी भी अंश की हम कोई उपेक्षा नही होने देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में बिहार में कई कदम उठाए गए हैं। प्राथमिक शिक्षक नियोजन, पंचायती राज और नगर निकाय के चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण देने के बाद राज्य सरकार की सभी सेवाओं में उन्हें 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया है। 2006 में हमने विश्व बैंक से कर्ज लेकर बिहार के 6 जिले के 44 प्रखंडों में स्वयं सहायता समूह का गठन कराया जिसकी संख्या 9 लाख तक पहुंच गई है। हमारा लक्ष्य 10 लाख स्वयं सहायता समूहों का गठन करने का है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से महिलाओं की स्थिति बेहतर हुई है, इसलिए इसके प्रति सचेत रहते हुए निरंतर अभियान चलाने के साथ ही चंद जो गड़बड़ करने वाले लोग हैं उन्हें समझाने की जरूरत है। शराबबंदी के पूर्व तक शराब और ताड़ी के रोजगार से जुड़े रहने वाले गरीब तबके के परिवारों को सतत् जीविकोपार्जन योजना के माध्यम से वैकल्पिक रोजगार हेतु 60 हजार से लेकर 1

लाख रुपये तक की मदद दी जा रही है। इस योजना से अब तक हजारो परिवार लाभान्वित हो चुके हैं। बाल विवाह के कारण अधिकांश महिलायें मौत की शिकार हो रही हैं और इनसे पैदा होनेवाले बच्चे कई प्रकार की बीमारियों से भी ग्रसित होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले रोहतास और कैमूर के इलाके में ही खेतों में फसल अवशेष जलाए जाते थे, लेकिन अब यह सिलसिला धीरे–धीरे बिहार के अन्य इलाकों में भी पहुंच गया है जो बहुत ही खतरनाक है। खेतों में फसल अवशेष जलाए जाने की परम्परा पर रोक लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करने के साथ–साथ हमलोग किसानों की मदद भी करेंगे। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष को खेतों में जलाने की शुरू हुई परंपरा पर पूर्णतः रोक लगाने के लिए कृषि यंत्रों पर 75 से 80 प्रतिशत अनुदान देने की व्यवस्था हमलोगों ने सुनिश्चित की है। फसल कटाई के लिए इन नये यंत्रों को उपयोग में लाना होगा ताकि फसल अवशेष को पशुचारा में परिणत किया जा सके। उन्होंने कहा कि खेतों में फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रभावित होने के साथ–साथ मिट्टी की उर्वराशक्ति भी कम हो जाती है। फसल अवशेष प्रबंधन को भी जल–जीवन–हरियाली अभियान से जोड़ा गया है, इससे जलवायु परिवर्तन बेहतर होगा। बिहार के ग्रामीण अंचल में 89 प्रतिशत लोग निवास करते हैं जिनमें 76 प्रतिशत लोग जीविकोपार्जन के लिए खेती पर ही निर्भर हैं। मौसम के अनुकूल फसल चक्र में बदलाव लाने के लिए प्रयोग के तौर पर 4 संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा 8 जिलों में अनुसंधान का काम शुरू करवाया गया है जिसे बाद में पूरे बिहार में लागू किया जाएगा ताकि किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तक बिजली पहुंचाने के बाद अब कृषि फीडर के माध्यम से हर इच्छुक किसान को पटवन के लिए बिजली मुहैया कराई जा रही है। इससे डीजल पम्प द्वारा की जाने वाली सिंचाई में होने वाले खर्च में 20 गुना की कमी आ जायेगी। इस साल के अंत तक सभी जर्जर तारों को भी बदल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड अलग होने के बाद बिहार में हरित आवरण मात्र 9 प्रतिशत ही रह गया था। वर्ष 2012 से हरियाली मिशन के तहत पूरे बिहार में 19 करोड़ पौधारोपण किया गया जिसके बाद बिहार का ग्रीन कवर एरिया बढ़कर 15 प्रतिशत पर पहुंच गया है। जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत 8 करोड़ पौधे और लगाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि 94 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल वाले बिहार में आबादी का घनत्व सर्वाधिक है जिसको देखते हुए हरित आवरण बढ़ाया जाएगा। बिहार के हर जिले और अनुमंडल में शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की जा रही है ताकि मजबूरी में किसी को पढ़ने के लिए बिहार से बाहर नहीं जाना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले साल चुनाव में जाने से पहले पूरे बिहार में हर घर तक नल का जल उपलब्ध करा देंगे, यह काम करीब 50 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। नल का जल शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल है, इसलिए इसका दूसरे कामो में दुरुपयोग न करें। इससे भूजल स्तर नीचे चला जायेगा। हर घर शौचालय निर्माण का काम भी तेजी से आगे बढ़ रहा है और यह जल्द ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि लोगों को खुले में शौच से मुक्ति और पीने का स्वच्छ पानी मिल जाये तो 90 प्रतिशत होने वाली बीमारियों से उन्हें छुटकारा मिल जाएगा। मेरा काम है आपकी सेवा करने के साथ ही आपको जागृत करना।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर इच्छुक परिवार तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य हमने दिसंबर 2018 तक निर्धारित किया था जिसे तय समय से दो माह पहले ही पहुंचा दिया गया। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा ही अक्षय ऊर्जा है जो हमें पृथ्वी का अस्तित्व बरकरार रहने तक सदैव मिलता रहेगा। ग्रिड के माध्यम से हम जो बिजली पहुंचा रहे है, उसकी एक समय सीमा है, क्योकि कोयले का सीमित भंडार है। इसलिए सौर ऊर्जा के प्रति हमलोग लोगों को प्रेरित करेंगे। क्योंकि सही मायने में सौर ऊर्जा ही असली ऊर्जा है, सौर ऊर्जा ही है जो सदैव लोगों को मिलता रहेगा। इसके लिए सभी सरकारी भवनों पर सोलर प्लेट लगाने के बाद लोगों को अपने–अपने घरों पर सोलर प्लेट लगाने के लिए हमलोग प्रेरित करेंगे। 2018 में आयी विश्व

स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब पीने के कारण दुनिया भर में मरनेवालों की संख्या प्रतिवर्ष 30 लाख है। दुनिया भर में जितनी मौतें होती हैं उसमे 15.3 प्रतिशत मौत शराब पीने के कारण होती है। शराब सेवन के कारण दुनिया भर में 18 प्रतिशत आत्महत्या, 18 प्रतिशत आपसी झगड़े, 27 प्रतिशत सड़क दुर्घटना एवं 48 प्रतिशत लीवर की बिमारी होती है।

जनसभा में उपस्थित लोगों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से बचने एवं पर्यावरण को ठीक रखने के लिए हमें काम करना चाहिये। सात निश्चय के अलावे अन्य योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण सहित सभी क्षेत्रों में विकास का काम किया जा रहा है। वर्ष 2017 में शराबबंदी के पक्ष में जबकि 2018 में बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ हमलोग मानव श्रृंखला बना चुके हैं। अब एक बार फिर 19 जनवरी 2020 को दिन के 11.30 बजे से आधे घंटे के लिए जल–जीवन–हरियाली अभियान, शराबबंदी एवं नशामुक्ति के पक्ष में जबकि दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के खिलाफ मानव श्रृंखला का कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया है, आप सबों की भागीदारी से इस बार बनने वाली मानव श्रृंखला पूर्व में बनी सभी मानव श्रृंखला के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देगी।

मुख्यमंत्री की अपील पर जनसभा में मौजूद लोगों ने हाथ उठाकर मानव श्रृंखला में शामिल होने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि जल महत्वपूर्ण है यह लोगों को समझना होगा क्योंकि जल और हरियाली के बीच ही जीवन है। जलवायु परिवर्तन में सुधार, पर्यावरण संकट से छुटकारा एवं सामाजिक जागृति लाना ही जल–जीवन–हरियाली अभियान का मकसद है। मनुष्य को यदि अपना और पशु–पक्षियों का जीवन बचाना है तो जल के साथ–साथ हरियाली को बचाने के लिए भी सचेत और जागरूक होना पड़ेगा। जनसभा में मौजूद लोगों से मुख्यमंत्री ने आपस मे प्रेम, भाईचारा एवं सद्भावना का माहौल कायम रखते हुए पृथ्वी के संरक्षण और अपने जीवन की रक्षा के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

जनसभा को ग्रामीण विकास, संसदीय कार्य एवं शेखपुरा जिले के प्रभारी मंत्री श्री श्रवण कुमार, भवन निर्माण मंत्री श्री अशोक चौधरी, विधायक श्री रणधीर कुमार सोनी, विधायक श्री सुदर्शन कुमार, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री गुप्तेश्वर पाण्डेय एवं शेखपुरा जिलाधिकारी मोहतरमा इनायत खान ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर जदयू जिलाध्यक्ष श्री अंजनी कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री दारो बिंद, लोजपा जिलाध्यक्ष श्री इमाम गजाली, शेखपुरा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती कुमकुम भारती, पशु मत्स्य संसाधन सह शेखपुरा जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती एन0 विजया लक्ष्मी, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुंगेर प्रमंडल आयुक्त श्रीमती वंदना किन्नी, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री संजीव हंस, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, जल–जीवन–हरियाली मिशन निदेशक श्री राजीव रौशन, मुंगेर प्रक्षेत्र के डी0आई0जी0 श्री राजेश कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री दयाशंकर सहित अन्य गणमान्य लोग, वरीय अधिकारीगण, जीविका की दीदियां एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

******